



# भारत का राजपत्र Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 230] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 27, 1989/वैशाख 7, 1911  
No. 230] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 27, 1989/VAISAKHA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को बनाने  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate collation

पत्र-पुस्तक परिवर्तन संश्लेष

(परतम पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, १७ अप्रैल, 1989

का. शा. 106 (4) :- केन्द्रीय सरकार, भारतीय परतम अधिनियम, 1908 की धारा 33 की उप-  
धारा (5) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के गृह  
संश्लेष की अधिसूचना सं. शा. का. नि. 2131, दिनांक 21 नवम्बर, 1953 के अधिनियम में एवम्बारा  
यह निदेश देती है कि इन अधिसूचना के राजकीय राजपत्र में प्रकाशन से साठ दिन के समाप्त होने की तारीख से एवं

राज्य क्षेत्र प्रवेशान और निकोबार द्वीप समूह में पोर्ट ब्लेयर, एलिफण्टा हारबर, कार निकोबार तथा कोमोरता के पत्तनों में प्रवेश करने वाले उन जहाजों से जिनका उल्लिख यहाँ संलग्न तालिका के कायम (1) में किया गया है, कायम (2) में अनुवर्ती प्रविष्टि में निविष्ट वर्गों पर तथा उक्त तालिका के कायम (3) में अनुवर्ती प्रविष्टि में निविष्ट प्रंतयल पर परतनशुल्क किया जाए :-

### तालिका

प्रत्येक जहाज के जाने वाले जहाज	पत्तन देयताओं की प्रति टन दर	उक्त जहाज से शून्य: कितनी बार धरुल किया जाता है ।
1	2	3
रु. पै.		
1. समुद्री जहाज जो 10 टन से अधिक के हैं परन्तु 1000 टन से अधिक न हों		
(क) विदेशी जहाज	1.45	प्रत्येक प्रविष्टि के लिए
(ख) तटीय जहाज	0.95	प्रत्येक प्रविष्टि के लिए
2. 1000 टन से अधिक के समुद्रयानों जहाज		
(क) विदेशी जहाज	2.50	प्रत्येक प्रविष्टि के लिए
(ख) तटीय जहाज	1.60	प्रत्येक प्रविष्टि के लिए
3. बालास्ट अधिक परतन में प्रवेश करने वाले जहाज जो यात्रियों को नहीं ला रहे हों ।	गद 1 और 2 में निर्धारित परतन देयताओं का 3/4	प्रत्येक प्रविष्टि के लिए
4. पत्तन में प्रवेश करने वाले जहाज किन्तु किसी भी कारणों अथवा यात्रियों को उतारने अथवा से आते न हों (भरम्भत के उद्देश्य से उतारने और फिर से लाने जैसा भी आवश्यक हो, को छोड़कर)	गद 1 और 2 में निर्धारित परतन देयताओं का 1/2	प्रत्येक प्रविष्टि के लिए

[फा. स. पं. नं. 14019/10/88-नं. 10]

पं. गे. नारायण, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

## ORDER

New Delhi, the 27th April, 1989

S.O. 306 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (5) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. SRO 2131, dated the 21st November, 1953 the Central Government hereby directs that with effect from the date following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, port dues shall be levied on vessels entering the ports of port Blair, Elphenstone Harbour, Mayabunder Car Nicobar and Camorta, in the Union territory of Andaman and Nicobar Islands and described in column (1) of the table hereto annexed at the rates specified in the corresponding entry in column (2) thereof and at the interval specified in the corresponding entry in column (3) of the said table:—

TABLE

Vessels chargeable	Rate of Port dues per ton	Due how often chargeable in respect of same vessel
1	2	3
	Rs. Ps.	
1. Sea-going vessels of more than 10 tons but not more than 1000 tons:		
(a) Foreign vessels	1.45	For each entry.
(b) Coasting vessels	0.95	For each entry.
2. Sea-going Vessels of more than 1000 tons:		
(a) Foreign vessels	2.70	For each entry.
(b) Coasting vessels	1.60	For each entry.

1	2	3
3. Vessels entering port in ballast and not carrying passengers.	3/4th of port dues specified in items 1 and 2.	For each entry.
4. Vessels entering the port but do not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for purposes of repair).	1/2 of port dues specified in items 1 and 2.	For each entry.

[F. No. PR—14019/10/88—PG]  
YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.